उप III Orgainational psychology

Q. व्यक्तित्व के आयाम एवं तत्व का वर्णन करें।

Ans:- फ्रेड लुथांस व्यक्तित्व के आयामों पर प्रकाश डालते हुए कहते है कि 'व्यक्तित्व के अंतर्गत यह सम्मिलित है कि कैसे व्यक्ति दूसरों को प्रभावित करते हैं तथा कैसे वे अपने को समझते हैं एवं अपने प्रति दृष्टिकोण रखते है। इसी के साथ व्यक्तित्व में अपने बाह्य एवं आंतरिक मापनीय गुणों का प्रारुप तथा व्यक्ति व परिस्थिति का अन्तर्व्यवहार भी शामिल है।

व्यक्तित्व के प्रमुख आयाम निम्न प्रकार है-

(1) भूमिका अवधारणा - व्यक्ति दूसरों को कैसे प्रभावित करते है, यह मुख्य रुप से उन्हे बाह्य दर्शनीय स्वरुप जैसे रंग-रुप, चेहरे के हाव-भाव, शारीरिक लक्षण, ऊँचाई, वजन आदि घटकों तथा व्यवहारों आदि पर निर्भर करता है।

(2) स्व-धारणा - स्व अवधारणा का आशय अपने प्रति समझ या गुण चेतना उत्पन्न करना है अपने प्रति चैतन्य व्यक्ति का व्यक्तित्व श्रेष्ठ होता है। यह मनुष्य के आंतरिक व्यक्तित्व को निर्धारित करता है।

(3) लक्षण प्रारुप - स्य का मत है कि लक्षण या गुण व्यक्तित्व के महत्वपूर्ण आयाम है। क्योंकि उनका गणितीय पैमाने का माप संभव है उनके अनुसार व्यक्तित्व के अंतर्गत मूल समस्या यह नही है कि व्यक्ति

कौन से गुण रखता है और कौन से गुण नही रखता है।

(4) व्यक्ति परिस्थिति अन्तर्व्यवहार – प्रत्येक परिस्थिति भिन्न एवं अद्वितीय होती है कई बार परिस्थितियों के अंतर ऊपर से छोट दिखते हैं, किंतु जब वे व्यक्ति की विचार प्रक्रियाओं से गुजरते है तो वे बहुत जटिल हुए एवं व्यक्तिगत अन्तर बन जाता है जिनके व्यवहारात्मक परिणाम विविध होते है। व्यक्ति जड़ नही है जो समस्त दशाओं में एक-सा अनुभव करते हो।

Dr. Randhir Kumar
Dept of Psychology
Subject – Organiational Psychology
Paper – VI
U.R. Collage Rosera Samastipur
[illegible]959, 9431852888